

कलेक्टर ने सौंपी मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, अब निर्बाध चलेगी पढ़ाई की गाड़ी

शहडोल

हौसलों के आगे कोई भी शारीरिक सीमा बड़ी नहीं होती, यह कहावत तब पूरी तरह चरितार्थ हो गई जब जिला प्रशासन की एक मानवीय और संवेदनशील पहल ने एक होनहार दिव्यांग छात्र के भविष्य को नई उम्मीदों से रोशन कर दिया। जिले के दूरस्थ ग्राम दरशिला के रहने वाले राजकुमार जायसवाल की उच्च शिक्षा हासिल करने की राह में अब दिव्यांगता और आर्थिक तंगी रोड़ा नहीं बन पाएगी। क्षेत्र में आयोजित मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर में जब राजकुमार अपनी फरियाद लेकर पहुंचे, तो कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने न केवल उनकी पीड़ा को आत्मीयता से सुना, बल्कि तत्काल मौके पर ही उनकी समस्याओं का समाधान कर एक मिशाल पेश की।

### कलेक्टर ने मौके पर दी मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल की सौगात

ग्राम दरशिला निवासी राजकुमार जायसवाल बचपन से ही दिव्यांगता से जूझ रहे हैं, लेकिन उनके भीतर शिक्षा प्राप्त कर जीवन में कुछ कर दिखाने की लालच कूट-कूटकर भरी है। पारिवारिक स्थिति कमजोर होने और घर से शैक्षणिक संस्थान की दूरी अधिक होने के कारण उनके लिए प्रतिदिन आवागमन करना एक बड़ी चुनौती बना हुआ था। शिविर में जब यह बात कलेक्टर पार्थ जायसवाल के संज्ञान में आई, तो उन्होंने बिना किसी विलंब के राजकुमार को सामाजिक न्याय विभाग के सौजन्य से आधुनिक मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल (चाबी वाली ई-साइकिल) प्रदान की। वाहन की चाबी हाथों में आते ही राजकुमार और उनके परिजनों के चेहरे पर खुशी और संतोष की अद्भुत चमक देखने को मिली।

### मुफ्त बस पास और हॉस्टल सुविधा का

## उद्यानिकी खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहित करें: कलेक्टर



### कलेक्टर ने ग्राम खरला का निरीक्षण कर किसान प्रदीप सिंह से की चर्चा

शहडोल। जिले के जनपद पंचायत बुढ़ार के ग्राम खरला के निरीक्षण के दौरान विधायक जयसिंह मरावी एवं कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने उद्यानिकी खेती कर रहे किसान प्रदीप सिंह से चर्चा की। किसान प्रदीप सिंह ने बताया कि वे 4 से 5 एकड़ में जैविक खाद का उपयोग कर खेती करते हैं। वर्तमान में खीरा, टमाटर एवं बैंगन की खेती कर रहे हैं तथा शहडोल और बुढ़ार में इनकी मार्केटिंग कर अच्छी आमदनी प्राप्त कर रहे हैं। कलेक्टर ने उद्यानिकी विभाग के मैदानी अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागीय योजनाओं से किसानों को लाभान्वित करने हुए उन्हें उद्यानिकी खेती के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने किसान प्रदीप सिंह द्वारा की जा रही जैविक खेती का सर्टिफिकेशन कराने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक संजय कुमार अग्रवाल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व दीपक मांडवी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

## बहगढ़ में विधायक एवं कलेक्टर ने किया उद्योग संवाद शासकीय योजनाओं का लाभ लेकर स्वयं के साथ दूसरों को भी रोजगार देने का विधायक ने किया आह्वान

शहडोल। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत बहगढ़ में विधायक जय सिंह मरावी, डीआईजी विवेक सिंह, एवं कलेक्टर पार्थ जायसवाल की उपस्थिति में उद्योग संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। संवाद के दौरान स्थानीय उद्यमियों एवं स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं ने शासन की विभिन्न योजनाओं से प्राप्त लाभ और अपने अनुभव साझा किए। विधायक जय सिंह मरावी ने कहा कि शासन द्वारा स्वरोजगार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। नव उद्यमी लोग इन योजनाओं का लाभ लेकर स्वयं आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध कराएं। उन्होंने स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों और उत्पादों को व्यवसाय से जोड़ने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उद्यमी नवनीत सिंघानिया ने एमएसएमई प्रोत्साहन योजना का लाभ लेकर ग्राम बटुरा में राइस मिल एवं कोल्डे-मिलेट्स मिल के संचालन के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि इन इकाइयों के माध्यम से स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हो रहे हैं। इसी प्रकार ग्राम बहगढ़ की स्व-सहायता समूह से जुड़ी श्रीमती नीता प्रजापति सहित अन्य महिलाओं ने समूह गतिविधियों से हुए आर्थिक एवं सामाजिक बदलावों के अनुभव बताए। कार्यक्रम के दौरान नव उद्यमियों एवं स्व-सहायता समूहों को योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया गया। पीएमएसएमई योजना के अंतर्गत भी प्रदीप परिहार को राइस मिल संचालन के लिए 25 लाख रुपये तथा कोतमा रोड, बुढ़ार निवासी श्री वरुण आहूजा को बेकरी व्यवसाय के लिए 8 लाख रुपये की सहायता प्रदान की गई। एनआरएलएम के माध्यम से चार स्व-सहायता समूहों को 4-4 लाख रुपये की सीसी लिमिट वितरित की गई।

## कलेक्टर साहिबा आने वाली हैं! रातभर जागा अमला, फावड़े-तगाड़ी लेकर शुरू हुआ चमत्कार

मानपुर। क्या साहब के आने के डर से अधूरी सड़कें रातों-रात पक्की हो सकती हैं? क्या बंद पड़े सोखा गड्डे एक ही रात में खुद सकते हैं? जी हां, अगर आपको ऐसा चमत्कार देखना हो, तो मानपुर के ग्राम पंचायत बचहा चले आइए! मीडिया में जैसे ही जिले की मुखिया यानी कलेक्टर महोदया के संभावित दौरे की खबर चमकी, मानो सुस्त पड़े पंचायत अमले में किसी ने 440 वोल्ट का करंट दौड़ा दिया हो। फिर क्या था, जो काम महीनों से फाइलों में धूल फांक रहे थे, वे 9 सितंबर की काली रात में अचानक रोशनी में जगमगा उठे। ग्रामीणों का तो सीधा आरोप है कि साहब के स्वागत में नहीं, बल्कि अपनी कर्तूतों और कमियों पर पर्दा डालने के लिए पंचायत ने रातों-रात ऑपरेशन लीपापोती चला दिया।

### अंधेरी रात, चमकती सड़कें और इमरजेंसी विकास!

दिन के उजाले में जहां धूल उड़ती थी, वहां 9 सितंबर की रात को अचानक डंपरों की गड़गड़ाहट सुनाई देने लगी। आनन-फानन में सड़कों पर मुम्र और डस्ट बिछाने का काम शुरू हो गया। बात यहीं खत्म नहीं हुई, हाईस्कूल परिसर में वर्षों से अटका सोखा गड्ढा और सीढ़ी निर्माण का काम भी रातों-रात टॉच की रोशनी में शुरू करा दिया गया। इतना ही नहीं, नवीन पंचायत भवन, जो अब तक अधूरा खड़ा मुंह ताक रहा था, उसमें भी मिखियों ने रातों-रात प्लास्टर की परतें चढ़ाना शुरू कर दिया। गांव वालों का माथा तब ठनका जब उन्होंने देखा कि जो सरपंच-सचिव महीनों से गांव की समस्याओं पर मौन व्रत धारण किए बैठे थे, वे अचानक रात के अंधेरे में विकास पुरुष



बनकर फावड़ा-तगाड़ी संभलवाने लगे!

### सरपंच, सचिव और इंजीनियर की त्रिमूर्ति पर उंगली

सूत्रों और ग्रामीणों की मांनें तो इस नाईट शिफ्ट वाले विकास की पटकथा सरपंच रमेशिया बाई साहू, सचिव चित्रा गुप्ता और इंजीनियर अमृतलाल गुप्ता की त्रिमूर्ति ने मिलकर लिखी है। ग्रामीणों का सवाल है कि जो काम स्वीकृत बजट और तय समयसीमा के तहत महीनों पहले हो जाने चाहिए थे, वे कलेक्टर के दौरे की भनक लगते ही क्यों जागे? क्या यह विकास का है या फिर निरीक्षण में गर्दन फंसने के डर से सफाई अभियान चलाया गया। रात के अंधेरे में डाली गई मुम्र और आनन-फानन में किया गया निर्माण पहली



ही बारिश में बहेगा या टिकेगा?

### साहब के चश्मे से दिखेगी हकीकत

अब असली सवाल यह है कि जब कलेक्टर निरीक्षण के लिए बचहा पंचायत के धरातल पर कदम रखेंगी, तो क्या उन्हें सिर्फ रातभर में पुता हुआ ताजा चूना और चमचमाती डस्ट दिखेगी, या फिर वे इस जल्दबाजी के पीछे छिपे भ्रष्टाचार और पुरानी लीपापोती की परतें भी उघाड़ेंगी? अगर साहब की पैनी नजर इस रातों-रात वाले चमत्कार के पीछे की हकीकत को पकड़ पाई, तो कई जिम्मेदारों पर गाज गिरना तय है। वरना, जैसा हर बार होता है—अधिकारी आएंगे, मुआयना करेंगे और पंचायत अमला इस लीपापोती को ही असली विकास बताकर अपनी पीठ थपथपा लेगा।

## कलेक्टर ने ब्लैक सुगांधित चावल उत्पादक किसान से किया संवाद

शहडोल। विधायक जयसिंह मरावी एवं कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने जनपद पंचायत बुढ़ार के ग्राम बहगढ़ निवासी किसान सुनील मिश्रा से ब्लैक सुगांधित चावल के उत्पादन के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर श्री जायसवाल ने किसान से चावल के उत्पादन के साथ-साथ मिलिंग एवं पैकिंग की प्रक्रिया की भी जानकारी प्राप्त की। किसान सुनील मिश्रा ने बताया कि वे दो से तीन एकड़ भूमि में जैविक खाद का प्रयोग कर ब्लैक सुगांधित चावल का उत्पादन कर रहे हैं। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक संजय अग्रवाल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व दीपक मांडवी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।



## एडीएम ने गिरवा आंगनवाड़ी केंद्र का किया निरीक्षण

बच्चों के वजन सत्यापन, भोजन एवं टीएचआर पैकेट वितरण तथा पोषण माह की गतिविधियों की ली जानकारी

शहडोल। अपर कलेक्टर सरोहन सिंह ने ग्राम गिरवा स्थित आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर केंद्र में संचालित गतिविधियों एवं बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्र में उपस्थित बच्चों के वजन का सत्यापन किया तथा बच्चों को दिए जा रहे भोजन एवं टैंक होम राशन पैकेट वितरण की जानकारी ली। अपर कलेक्टर श्री सिंह ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं संबंधित कर्मचारियों से पोषण माह के अंतर्गत आयोजित की जा रही विभिन्न गतिविधियों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने तथा शासन द्वारा निर्धारित गतिविधियों का प्रभावी ढंग से संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों की उपस्थिति, पोषण संबंधी व्यवस्थाओं तथा हितग्राहियों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की भी जानकारी ली गई।



## मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर बहगढ़ में विधायक, डीआईजी कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत ने किया जन संवाद

### स्व-सहायता समूह की महिलाओं से लिया कौशल प्रशिक्षण का फीडबैक

शिविर के दौरान कलेक्टर पार्थ जायसवाल एवं विधायक जय सिंह मरावी ने वन धन केन्द्र बहगढ़ की स्व-सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं से संवाद किया। उन्होंने महिलाओं से स्वरोजगार के लिए प्राप्त किए जा रहे कौशल प्रशिक्षण, प्रशिक्षण से मिलने वाले लाभ तथा समूह की गतिविधियों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने महिलाओं को प्रशिक्षण के माध्यम से अपनी आजीविका को और बेहतर बनाने तथा स्थानीय संसाधनों से जुड़े रोजगार के अवसर विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। विधायक जय सिंह मरावी ने कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर शासन और आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का प्रभावी माध्यम है।



सरकार की योजनाओं का उद्देश्य पात्र हितग्राहियों को उनका अधिकार और लाभ समय पर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि आमजन अपनी समस्याओं को शिविर में रखें, ताकि उनका नियमानुसार शीघ्र

निराकरण किया जा सके। उन्होंने स्व-सहायता समूहों एवं युवाओं से शासन की स्वरोजगार योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बनने तथा अन्य लोगों को भी रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का

आह्वान किया।

कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के माध्यम से प्रशासन गांव-गांव पहुंचकर आमजन की समस्याओं का समाधान कर रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिन समस्याओं का निराकरण मौके पर संभव है, उनका तत्काल निराकरण किया जाए तथा अन्य प्रकरणों में निर्धारित समय-सीमा में कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने स्व-सहायता समूह की महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण का लाभ लेकर आर्थिक रूप से सशक्त बनने के लिए प्रोत्साहित किया। संवाद कार्यक्रम में सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति, एसडीएम जेतपुर दीपक मण्डवी, सीईओ जनपद सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

## खेत में बिछे करंट के जाल ने ली युवक की जान, पसरा सन्नाटा

मानपुर। इंदवार थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बटुराबाह (महुआहार) में गुरुवार की अलसुबह एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। खेत में काम करने गए 35 वर्षीय किसान सुरेश प्रजापति पिता लल्ली प्रजापति की बिजली के करंट की चपेट में आने से घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना के बाद से मृतक के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और पूरे गांव में मातम का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुरेश प्रजापति गुरुवार सुबह करीब 6 बजे रोज़मर्रा की तरह अपने खेत में किसानी कार्य निपटाने गया था। खेत की मेढ़ पर पहले से ही किसी के द्वारा जीआई तार में विद्युत प्रवाह चालू करके अवैध जाल बिछाया गया था। अनजाने में सुरेश का शरीर इस हाई-वोल्टेज तार से छू गया और जबर्दस्त करंट लगने के कारण उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

### पुलिस जांच में जुटी, पीएम के लिए मेजा शव

हादसे की खबर फैलते ही घटनास्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही इंदवार थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा तैयार कर अग्रिम कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर भिजवा दिया है। फिलहाल पुलिस इस गंभीर बिंदु की जांच कर रही है कि खेत में विद्युत प्रवाहित तार किस मकसद से और किस व्यक्ति द्वारा बिछाया गया था। आशंका जताई जा रही है कि जंगली जानवरों के शिकार या सुरक्षा के लिहाज से यह तार लगाया गया होगा।

### परिवार का सहारा छिना

मृतक सुरेश प्रजापति एक बेहद गरीब परिवार से ताल्लुक रखता था और खेती-किसानी करके ही अपने पूरे कुनबे का गुजर-बसर करता था। अचानक हुई इस अनहोनी से परिवार का एकमात्र कमाऊ सहारा छिन गया है, जिससे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।





##### जंगल में छिपाया पिकअप

##### पुलिस ने किया बरामद

कटनी। निवार चौकी पुलिस ने चोरी गया पिकअप बिछिया के जंगलों से बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार लखनवारा (स्लीमनाबाद) निवासी आशीष मौर्य ने अपनी पिकअप MP 20 ZG 4527 8-9 सितंबर की दरमियानी रात पहलवान ढाबा के सामने खड़ी की थी। देर रात अज्ञात चोर मौका पाकर वाहन ले उड़े।

पुलिस से बचने और मामले के शांत होने तक चोरों ने पिकअप को ग्राम बिछिया के जंगल में ले जाकर छिपा दिया था। चोरी की रिपोर्ट दर्ज होते ही पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देश पर एएसपी कमल मौर्य, डीएसपी शिवा पाठक और थाना प्रभारी शैलेन्द्र यादव के नेतृत्व में पुलिस टीमें हरकत में आईं। निवार चौकी प्रभारी सउनि अंजनी कुमार मिश्र और उनकी टीम ने संभावित रास्तों पर सुराग तलाशते हुए बिछिया के जंगल में घेराबंदी की। सघन तलाशी के दौरान झाड़ियों और पेड़ों के बीच छिपाकर रखी गई पिकअप को पुलिस ने ढूँढ निकाला और विधिवत जप्त कर लिया। जंगल में गाड़ी छिपाकर भाग निकले अज्ञात चोरों की तलाश की जा रही है।

##### नेशनल लोक अदालत

##### का प्रचार वाहन रवाना

**उमरियापान।**
ढीमरखेड़ा व्यवहार न्यायालय में आगामी 12 सितंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। लोक अदालत का अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिल सके, इसके लिए न्यायालय परिसर से प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर ग्रामीण क्षेत्रों के लिए रवाना किया गया।न्यायाधीश पूर्वी तिवारी ने प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाई। वाहन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को नेशनल लोक अदालत के आयोजन एवं इसके माध्यम से प्रकरणों के निराकरण की जानकारी दी जाएगी। साथ ही लोगों को लोक अदालत में अपने प्रकरणों का आपसी सहमति से निराकरण कराने के लिए जागरूक किया जाएगा।

##### सेवा संकल्प अभियान की रूपरेखा बनाने हुई बैठक

सिलौंडी। प्रधानमंत्री के 25 वर्षों की विकास यात्रा जिसमें करोड़ों लोगों का जीवन में बदलाव आया बैठक में मंडल प्रभारी विजय दुबे का मार्गदर्शन मिला ।बैठक में सिलौंडी मंडल अध्यक्ष मनीष सिंह बागरी,भाजपा जिला मंत्री डॉक्टर प्रशांत राय, भाजपा पूर्व वरिष्ठ अध्यक्ष सुरेश राय ,पूर्व मंडल अध्यक्ष किशन राय ,मंडल उपाध्यक्ष अमित राय, सीमा भरत शुक्ला ,अरविंद तिवारी ने कार्यकर्ताओं को आगामी सेवा से संकल्प अभियान के 25 अलग अलग कार्यक्रम की जानकारी दिया ।

## बकहो में एनएच-43 की नाली बनी मुसीबत, सफाई के अभाव में सड़क पर बह रहा गंदा पानी



अमलाई। नगर परिषद बकहो से होकर गुजरने वाले एनएच-43 के किनारे बनाई गई नाली इन दिनों स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। नाली में लंबे समय से कचरा, गाद और मलबा जमा है, जिससे पानी की निकासी बाधित हो गई है और नाली का गंदा पानी सड़क पर बह रहा है। तेज बारिश के दौरान स्थिति और गंभीर हो जाती है। नाली का पानी मलबे के साथ आसपास के घरों में घुसने से लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है।

##### निस्तार का पानी नाली में डालने का प्रावधान नहीं, फिर भी होटलों-घरों का गंदा पानी पहुंच रहा

जनकार बताते हैं कि क्षेत्र के घरों से निकलने वाले निस्तार के पानी को एनएचएआई की सड़क किनारे बनी इस नाली में डालने का प्रावधान नहीं है। इसके बावजूद कई घरों और होटलों से निकलने वाला गंदा पानी इसी नाली में छोड़ा जा रहा है। इससे नाली में गंदगी और गाद जमा होने के साथ जल निकासी की समस्या लगातार बढ़ रही है।

बताया जाता है कि इस मामले को लेकर एनएचएआई द्वारा पूर्व में नगर परिषद और रहवासियों को नोटिस जारी कर नाली में घरो एवं अन्य प्रविष्टानों का गंदा पानी नहीं डालने तथा आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की गई थी। इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो

**नागरिक बोले- पहले अंग्रेजों के जमाने के बघड़या और नरगड़ा पुल चौड़े हों, फिर मॉडल रोड पर हो फैसला**

# मॉडल रोड के लिए 150-200 मकानों को फिर नोटिस, 35-35 फीट जमीन लेने की चर्चा

**धनपुरी।** नगर पालिका द्वारा नरगड़ा नाला से बघड़या नाला तक मॉडल रोड बनाने की कवायद एक बार फिर चर्चा में है। करीब 150 से 200 मकान मालिकों को नोटिस दिए जाने की बात सामने आई है। चर्चा है कि सड़क के दोनों ओर 35-35 फीट भूमि ली जाएगी। वहीं एक और नोटिस तैयार किए जाने की भी चर्चा है। इससे प्रभावित परिवारों की चिंता बढ़ गई है।

नागरिकों का कहना है कि मॉडल रोड से पहले बघड़या पुल और नरगड़ा पुल का चौड़ीकरण कराया जाना चाहिए। दोनों पुल अंग्रेजों के जमाने से बने हुए हैं और वर्तमान यातायात व्यवस्था के लिहाज से इनकी चौड़ाई पर भी ध्यान देना जरूरी है। लोगों का सवाल है कि यदि सड़क चौड़ी कर दी गई, लेकिन पुराने संकरे पुल उसी स्थिति में रहे तो मॉडल रोड का यातायात लाभ कितना प्रभावी होगा? इसलिए पहले पुलों की स्थिति और चौड़ाई का समाधान किया जाए, उसके बाद मॉडल रोड की योजना को आगे बढ़ाया जाए।

##### नालियां, बिजली कनेक्शन और सुविधा घर भी बड़ी चुनौती

रोड के दोनों ओर नगर पालिका द्वारा नालियों का निर्माण कराया गया है। अधिकांश मकानों के सुविधा घर इन्हीं व्यवस्थाओं से जुड़े हैं। बिजली के कनेक्शन भी मकानों तक इसी क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। सड़क चौड़ीकरण में यदि मकान, नालियां और बिजली कनेक्शन प्रभावित होते हैं तो हजारों लोगों की वैकल्पिक व्यवस्था कहां और कैसे होगी, यह बड़ा प्रश्न बना हुआ है।



##### 25 फीट से अब 35 फीट की चर्चा

स्थानीय लोगों के अनुसार पहले 25-25 फीट भूमि लेने की बात कही गई थी। अब 35-35 फीट जमीन लेने की चर्चा से लोगों में चिंता है। कई परिवार समय रहते स्वयं अपने आशियाने को हटाना चाहते हैं, ताकि पूरी संपत्ति को नुकसान न पहुंचे। इसके लिए पर्याप्त समय और स्पष्ट जानकारी दिए जाने की मांग की जा रही है।

##### विकास जरूरी, लेकिन बीच का रास्ता निकले

लोगों का कहना है कि नगर का विकास जरूरी है, लेकिन विकास की योजना बनाने समय आम नागरिकों के नुकसान को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। धनपुरी 28 वार्डों और करीब 35-40 हजार की आबादी वाला नगर है। केवल सड़क चौड़ी

##### नंबर वन बनने की होड़ तेज, बदहाल कॉलोनियों और मूलभूत सुविधाओं की समस्याएं अब भी बरकरार

## सत्यापन की आहट, श्रमिकों की चौखट पर नेताओं की दस्तक

**धनपुरी।**
सोहागपुर कोयलांचल की खदानों में दिन-रात पसीना बहाकर एसईसीएल और कोल इंडिया के उत्पादन को गति देने वाले श्रमिकों की समस्याएं क्या सिर्फ सदस्यता सत्यापन के समय ही याद आती हैं? यह सवाल इन दिनों श्रमिकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। एक ओर श्रमिक कॉलोनियों में जर्जर आवास, गंदगी, गाजर घास, पेयजल और परिवहन जैसी समस्याएं बनी हुई हैं, वहीं दूसरी ओर सदस्यता सत्यापन की तारीख नजदीक आते ही श्रमिक संगठनों के नेताओं की सक्रियता बढ़ गई है।

सोहागपुर एरिया की विभिन्न इकाइयों में 14 और 15 सितंबर को श्रमिक संघटनों का सदस्यता सत्यापन होना है। करीब तीन हजार श्रमिकों के बीच होने वाले इस सत्यापन में एटक, बीएमएस, इंटक और एचएमएस सहित प्रमुख संगठनों के बीच नंबर वन बनने की होड़ है। संगठन पदाधिकारी इन दिनों श्रमिकों से लगातार संपर्क कर रहे हैं और सदस्यता के लिए घर-घर पहुंच रहे हैं।

##### सदस्यता के समय दरवाजे तक, समस्या के समय कौन?

श्रमिकों का सवाल है कि सदस्यता लेने के समय घर-घर पहुंचने वाले नेता यदि उनकी समस्याओं के समय भी इसी तरह सक्रिय रहें तो कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। सोहागपुर एरिया की श्रमिक कॉलोनियों में अनेक आवास मरमत्त के



अभाव में जर्जर हो रहे हैं। कई जगह प्लास्टर गिर रहा है और बारिश के दौरान छतों से पानी टपकने की शिकायतें हैं। कॉलोनियों में जगह-जगह गंदगी और गाजर घास फैली है। शुद्ध पेयजल तथा ड्यूटी आने-जाने के लिए पर्याप्त परिवहन की समस्या भी श्रमिकों के लिए चिंता का विषय है। अस्पताल में दवाओं की उपलब्धता भी सवालों में बुद्धार केंद्रीय चिकित्सालय में दवाओं की उपलब्धता को लेकर भी श्रमिकों की चिंता सामने आती रही है। हजारों श्रमिक और उनके परिवार स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए अस्पताल पर निर्भर हैं। ऐसे में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े मुद्दों को श्रमिक संगठनों की प्राथमिकता में होना चाहिए। सवाल यह है कि सदस्यता सत्यापन के समय संख्या बढ़ाने के साथ क्या इन समस्याओं को भी उतनी ही मजबूती से उठाया जाएगा?

##### नंबर वन का तमगा नहीं, श्रमिकों का भरोसा जरूरी

सदस्यता सत्यापन में कोई संगठन नंबर एक बने

या पांचवें स्थान पर रहे, श्रमिकों के लिए वास्तविक महत्व उस संगठन का है जो जरूरत के समय उनके साथ खड़ा हो। श्रमिकों के अधिकार, सुरक्षा, आवास, स्वास्थ्य, पेयजल और परिवहन जैसे मुद्दों पर लगातार संघर्ष करने वाला संगठन ही उनके भरोसे का हकदार माना जाएगा।

श्रमिकों के बीच चर्चा है कि नंबर वन वह यूनियन नहीं जो केवल सत्यापन के समय सबसे ज्यादा सदस्य जुटा ले, बल्कि वह है जो श्रमिक के सुख-दुख में सबसे पहले उसके साथ खड़ी दिखाई दे।

##### प्रलोभन नहीं, काम के आधार पर हो फैसला

सदस्यता सत्यापन के दौरान यदि श्रमिकों से संपर्क करने वाले संगठन वास्तव में उनके हित में काम करना चाहते हैं तो उन्हें सदस्यता के साथ उनकी समस्याओं की भी प्राथमिकता देनी होगी। जर्जर आवास, सफाई, पेयजल, परिवहन और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए लगातार आवाज उठाने वाला संगठन ही लंबे समय तक श्रमिकों का विश्वास कायम रख सकता है।

अब देखना यह है कि 14-15 सितंबर के सत्यापन में नंबर वन का ताज किसके सिर सजता है और उसके बाद श्रमिकों की समस्याओं को लेकर कौन संगठन मैदान में सबसे पहले दिखाई देता है।

## बरगवां नगर परिषद के सीएमओ की कार्यप्रणाली पर पार्षद ने उठाए सवाल

### शासकीय समय में कार्यालय से अनुपस्थित रहने, बायोमेट्रिक उपस्थिति में अनियमितता और प्रशासनिक लापरवाही के आरोप

अमलाई। नगर परिषद बरगवां (अमलाई) के वार्ड क्रमांक-2 के पार्षद सौरभ कोरी ने परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) की कार्यप्रणाली को लेकर कलेक्टर अनूपपुर को लिखित शिकायत दी है। शिकायत में शासकीय कार्यालयीन समय में सीएमओ के नियमित रूप से उपस्थित नहीं रहने, बायोमेट्रिक उपस्थिति में अनियमितता तथा प्रशासनिक कार्यों में लापरवाही के आरोप लगाए गए हैं। पार्षद द्वारा कलेक्टर को दिए गए पत्र में कहा गया है कि शासन द्वारा निर्धारित कार्यालयीन समय सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक है, लेकिन कार्यालय में बायोमेट्रिक ऑनलाइन उपस्थिति की व्यवस्था होने के बावजूद सीएमओ के निर्धारित समय में कार्यालय में उपलब्ध नहीं रहने की शिकायत है। पत्र के अनुसार, सीएमओ कई दिनों में केवल एक-दो घंटे के लिए कार्यालय आती हैं। टीएल बैठक के अलावा अन्य दिनों में भी अनुपस्थिति का आरोप शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि टीएल बैठक (अनूपपुर) के अलावा अन्य दिनों में भी सीएमओ के कार्यालय से नबहार रहने की स्थिति बनी रहती है। पार्षद ने आरोप लगाया कि इससे नगर परिषद के महत्वपूर्ण कार्य

प्रभावित हो रहे हैं और आम नागरिकों की मूलभूत प्रमाण पत्र, पेंशन तथा जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित कार्यों के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

##### टेंडर और निर्माण कार्यों में देरी का भी आरोप

पार्षद ने प्रशासनिक कार्यों में कथित लापरवाही का मुद्दा भी उठाया है। पत्र में कहा गया है कि प्रशासनिक मुख्या के नियमित रूप से नहीं बैठने से अधीनस्थ कर्मचारियों में अनुशासन प्रभावित हो रहा है। साथ ही समय पर टेंडर जारी नहीं होने, टेंडर प्रक्रिया में देरी तथा ठेकेदारों द्वारा बिना एफडीआर के कार्य शुरू किए जाने जैसे आरोप भी लगाए गए हैं। पत्र में संबंधितों को नोटिस जारी नहीं करने पर भी सवाल उठाए गए हैं।

##### निष्पक्ष जांच और सीसीटीवी फुटेज की मांग

पार्षद सौरभ कोरी ने कलेक्टर से कार्यालय की बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली और सीसीटीवी फुटेज की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने पिछले तीन माह की उपस्थिति की जांच के साथ टीएल बैठक के दिनों को छोड़कर सीएमओ की वास्तविक उपस्थिति, मूवमेंट रजिस्टर और फील्ड दौरों की भी जांच कराने का अनुरोध किया है। पत्र में शासकीय समय में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए सख्त अनुशासनात्मक निर्देश जारी करने की मांग की गई है।

##### इनका कहना

अपने निजी हितलाभ के लिए पार्षद द्वारा शिकायत की जा रही है।

शिवान्नी सिंह बघेल, सीएमओ नगर परिषद बरगवां (अमलाई)

# उमरिया-आसपास हरिभूमि 9

करने से नगर का समग्र विकास नहीं होगा। रोजगार, व्यापार, पेयजल, जल निकासी और अन्य मूलभूत सुविधाओं पर भी ध्यान देना जरूरी है।

धनपुरी का व्यापार कभी कालरी कर्मचारियों की गतिविधियों पर काफी निर्भर था। स्थानीय लोगों के अनुसार करीब 90 प्रतिशत पुराने कालरी कर्मचारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं और अब बड़ी संख्या में पेंशनभोगी नगर में निवासरत हैं। इसका असर स्थानीय व्यापार पर भी दिखाई दे रहा है।

##### रॉयल्टी से करोड़ों की आय, प्राथमिकता पर हों जरूरी काम

नगर पालिका को कालरी से रॉयल्टी के रूप में करोड़ों रुपए की आय प्राप्त होती है। नागरिकों का कहना है कि इस राशि का उपयोग नगर की मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने में होना चाहिए। सौंदर्यीकरण के साथ नाली, जल निकासी, पेयजल, पुल और सड़क जैसी जरूरी व्यवस्थाओं को प्राथमिकता दी जाए। नागरिकों का कहना है कि मॉडल रोड का विरोध नहीं है, लेकिन योजना व्यवहारिक होनी चाहिए। पहले बघड़या और नरगड़ा के पुराने पुलों का चौड़ीकरण, फिर सड़क की वास्तविक जरूरत का सर्वे और उसके बाद मॉडल रोड पर निर्णय लिया जाए। साथ ही 25 और 35 फीट के बीच ऐसा रास्ता निकले, जिससे नगर का विकास भी हो और वर्षों की मेहनत से बनाए आशियानों को कम से कम नुकसान उठाना पड़े।



### ग्रीन गणेश अभियान में विद्यार्थियों ने गोबर व शुद्ध मिट्टी से बनाई श्री गणेश की प्रतिमाएं, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

**उमरिया।** गणेशोत्सव को पर्यावरण हितैषी बनाने एवं आमजन को प्राकृतिक गणेश प्रतिमाओं के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से युवा टीम उमरिया द्वारा ग्रीन गणेश—मिट्टी के श्री गणेश अभियान 2026 के अंतर्गत बिरासिनी कंयूटर इंस्टीट्यूट, पाली में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम मध्य प्रदेश शासन के निर्देशन में उमरिया कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अभय सिंह ओहरिया के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ सहभागिता करते हुए गोबर एवं शुद्ध मिट्टी से भगवान श्री गणेश की प्रतिमाएं तैयार कीं। विद्यार्थियों ने अपने हाथों से प्राकृतिक सामग्री से प्रतिमाएं बनाकर यह संदेश दिया कि हमारी आस्था के साथ-साथ प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा करना भी हमारी जिम्मेदारी है।

इस दौरान युवा टीम उमरिया द्वारा विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, जल स्रोतों की स्वच्छता तथा गणेश प्रतिमाओं के निर्माण में प्राकृतिक सामग्री के उपयोग के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने भी पर्यावरण हितैषी गणेश प्रतिमा अपनाने एवं अन्य लोगों को इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। बिरासिनी कंप्यूटर इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर पवन सम्भर ने कहा कि विद्यार्थियों द्वारा गोबर और शुद्ध मिट्टी से गणेश प्रतिमाएं बनाना एक सराहनीय पहल है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में रचनात्मकता के साथ पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि गणेशोत्सव हमारी आस्था का पर्व है और इसे

प्रकृति के संरक्षण के साथ मनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। युवा टीम उमरिया के अध्यक्ष हिमांशु तिवारी ने कहा कि ग्रीन गणेश अभियान का उद्देश्य आस्था और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ जोड़ना है। मिट्टी के श्री गणेश अपनाकर हम अपनी परंपरा को भी निभा सकते हैं और प्रकृति को होने वाले नुकसान को भी कम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि युवा टीम उमरिया द्वारा विद्यार्थियों एवं आमजन के बीच पर्यावरण हितैषी गणेशोत्सव को लेकर निरंतर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने सभी से अपील की कि "मिट्टी के श्री गणेश अपनाएँ, प्रकृति को मुस्कुराएँ" के संदेश को जन-जन तक पहुंचाएं और इस गणेशोत्सव में पर्यावरण हितैषी प्रतिमाओं को प्राथमिकता दें।कार्यक्रम के दौरान बिरासिनी कंप्यूटर इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर पवन सम्भर , शिक्षक विजय महाबिया, युवा टीम उमरिया से हिमांशु तिवारी, राहुल सिंह, अभिनव द्विवेदी एवं रुद्र प्रधान सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। विद्यार्थियों में अर्चना सिंह, नरमिस फातिमा, नंदिनी प्रजापति, निशा महंत, स्वाति चंद्रा, शिवानी कुशवाहा, रजाम गुप्ता, सुप्रिया पांडेय, राशि मिश्रा, शोखन विश्वकर्मा, रवि प्रजापति, तुषार विश्वकर्मा, सान्या गुप्ता, किरण रहभार, चांदनी यादव, नेहा विश्वकर्मा, रिया सोनी एवं ज्योति विश्वकर्मा सहित अन्य विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने एक स्वर में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि आस्था के साथ प्रकृति की रक्षा भी जरूरी है।

# जाँच दल के समक्ष पंचो नें रखी मांग



##### हरिभूमि न्यूज►► स्लीमनाबाद

बहोरीबंद जनपद की ग्राम पंचायत स्लीमनाबाद मे सरपंच, ग्राम रोजगार सहायक / प्रभारी सचिव की मनमानी से सामुदायिक भवन परिसर मे बनाई जा रही दुकानों के निर्माण का मामला नें अब तूल पकड़ लिया है। पंचो नें सामुदायिक भवन परिसर मे दुकान न बने दुकानों के निर्माण का मामला नें अब तूल पकड़ लिया है। पंचो नें सामुदायिक भवन परिसर मे दुकान न बने इसको लेकर जिला पंचायत सीईओ को शिकायत सौंप निर्माण कार्य पर रोक लगाने ओर सरपंच व प्रभारी सचिव पर कार्रवाई की मांग की। शिकायत के बाद जिला पंचायत सीईओ नें मामले की जाँच के लिए दो सदस्यीय दल गुरुवार को स्लीमनाबाद भेजा। जाँच दल मे

जिला मनरेगा अधिकारी अभिषेक चढ़ार व एसडीओ अजय कुमार केसरवानी शामिल रहे। जाँच दल से शिकायतकर्ता ग्राम पंचायत के पंचो नें कहा कि सामुदायिक भवन का अस्तित्व बना रहे उसको न मिटाया जाये इसलिए सामुदायिक भवन परिसर मे दुकान न बनाई जाये। यदि दुकान बन गई तों यदि कोई वैवाहिक -धार्मिक कार्यक्रम यहाँ होना है तों पार्किंग, बैठक व्यवस्था नहीं बन पायेगी। जगह अभाव के कारण लोगों को परेशान होना पड़ेगा।

जाँच दल मे शामिल अधिकारियों नें बताया कि स्लीमनाबाद सामुदायिक भवन स्थल पर हो रहे दुकान निर्माण कार्य स्थल का निरीक्षण किया गया जहाँ पंचनामा बनाया। पंच नामा उपरांत जाँच प्रतिवेदन बनाकर जिला पंचायत सीईओ को दिया जायेगा। आगे की कार्रवाई जिला पंचायत सीईओ के द्वारा की जायेगी।

##### इनका कहना है

जिला पंचायत सीईओ हरसिमरन प्रीत कौर का कहना है कि स्लीमनाबाद सामुदायिक भवन के सामने हो रहे दुकानों के निर्माण के संबंध मे शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत उपरांत जिला स्तरीय दल जाँच के लिए भेजा गया है। जाँच प्रतिवेदन प्राप्त हो जाये। जाँच प्रतिवेदन का अवलोकन करने के बाद ही दुकान बने या न बने उस पर कोई निर्णय लिया जा जायेगा।



# बैंक हड़ताल से जिलेभर में टप रहा कामकाज

पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था समेत लंबित मांगों को लेकर कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

## नकदी लेन-देन से लेकर चेक क्लीयरेंस तक सेवाएं प्रभावित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

विभिन्न मांगों को लेकर बैंक कर्मचारियों एवं अधिकारियों के संयुक्त संगठन यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के आह्वान पर शुक्रवार को आयोजित राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल का व्यापक असर अनूपपुर जिले में देखने को मिला। जिलेभर की बैंक शाखाओं में कर्मचारियों के हड़ताल पर रहने से बैंकिंग कामकाज पूरी तरह प्रभावित रहा। सुबह बैंक खुलने के समय पहुंचे उपभोक्ताओं को हड़ताल की जानकारी मिलने के बाद बिना काम कराए वापस लौटना पड़ा। हड़ताल के कारण नकदी जमा-निकासी, चेक क्लीयरेंस, ऋण संबंधी कार्य सहित बैंकिंग से जुड़े कई जरूरी काम नहीं हो सके। शुक्रवार की हड़ताल के बाद शनिवार और रविवार को बैंक अवकाश रहने के कारण लगातार तीन दिनों तक नियमित बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहेंगी। ऐसे में उपभोक्ताओं को जरूरी लेन-देन और अन्य बैंकिंग कार्यों के लिए एटीएम तथा ऑनलाइन बैंकिंग सेवाओं पर निर्भर रहना पड़ेगा। हालांकि डिजिटल माध्यम से होने वाले लेन-देन जारी रहे, लेकिन बैंक शाखाओं से जुड़े प्रत्यक्ष कार्यों के लिए लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

## पांच दिन बैंकिंग व्यवस्था लागू करने की मांग

बैंक कर्मचारियों की ओर से सप्ताह में पांच दिन बैंकिंग व्यवस्था लागू करने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। कर्मचारियों का कहना है कि शनिवार और रविवार को साप्ताहिक अवकाश दिए जाने से बैंक कर्मचारियों की भी अन्य क्षेत्रों की तरह पांच दिवसीय कार्यप्रणाली का लाभ मिल सकेगा। इसके अलावा पेंशन को अद्यतन कर आवश्यक सुधार करने, महंगाई भत्ते की एक समान गणना तथा पुरानी पेंशन योजना का विवरण दिए जाने सहित विभिन्न लंबित मांगों को लेकर भी कर्मचारियों ने आवाज



उठाई।

### पीएलआई योजना का भी विरोध

हड़ताल के दौरान कर्मचारियों ने केंद्र सरकार की एकतरफा एवं भेदभावपूर्ण पीएलआई योजना को लेकर भी विरोध जताया। कर्मचारियों की मांग है कि योजना के क्रियान्वयन को स्थगित रखा जाए तथा यूनियनों के साथ द्विपक्षीय चर्चा के माध्यम से इसमें आवश्यक संशोधन

किया जाए। कर्मचारियों ने सरकार और बैंक प्रबंधन से बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े लंबित मुद्दों का बातचीत के माध्यम से समाधान किए जाने की मांग की।

### स्टाफ की कमी से बढ़ रहा काम का दबाव

बैंक कर्मचारियों ने शाखाओं में कर्मचारियों की कमी का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उनका कहना है

कि पर्याप्त संख्या में नई भर्ती नहीं होने से वर्तमान कर्मचारियों पर काम का अतिरिक्त दबाव बढ़ रहा है। लगातार बढ़ रहे बैंकिंग कार्य और ग्राहकों की संख्या के अनुपात में पर्याप्त स्टाफ नहीं होने से कर्मचारियों को अतिरिक्त जिम्मेदारियां निभानी पड़ रही हैं। कर्मचारियों ने रिक्त पदों पर पर्याप्त भर्ती किए जाने की मांग की, ताकि बैंकिंग सेवाओं को सुचारु रूप से संचालित किया जा सके।



## लिखित आश्वासन पर अमल नहीं होने का आरोप

हड़ताल कर रहे कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि उनकी विभिन्न मांगों को लेकर पूर्व में सरकार और कर्मचारी संगठनों के बीच चर्चा हुई थी तथा कुछ मामलों में लिखित आश्वासन भी दिए गए थे, लेकिन उन पर अपेक्षित रूप से अमल नहीं किया गया। कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से मांगों को लेकर लगातार ध्यान आकर्षित कराया जा रहा है, लेकिन समाधान नहीं होने के कारण उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा।

## बैंक बंद रहने से उपभोक्ताओं की बड़ी परेशानी

बैंक हड़ताल का सबसे सीधा असर आम उपभोक्ताओं पर पड़ा। वेंतन, पेंशन, नकदी जमा करने, राशि निकालने, चेक जमा करने, ऋण संबंधी कार्य तथा अन्य बैंकिंग जरूरतों के लिए शाखाओं में पहुंचने वाले लोगों को निराश होकर लौटना पड़ा। लगातार तीन दिन बैंक शाखाओं में नियमित कामकाज नहीं होने से ऐसे उपभोक्ताओं की परेशानी और बढ़ सकती है, जिनके बैंक संबंधी कार्य शाखा में जाकर ही पूरे होते हैं।

## 27 से 29 सितंबर तक तीन दिवसीय हड़ताल की चेतावनी

बैंक कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि शुक्रवार की सांकेतिक हड़ताल के बावजूद यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को आगे बढ़ाया जाएगा। कर्मचारियों के अनुसार आगामी 27, 28 और 29 सितंबर को तीन दिवसीय बैंक हड़ताल प्रस्तावित है। इसके बाद भी मांगों का निराकरण नहीं होने पर आंदोलन को और आगे बढ़ाने की चेतावनी दी गई है। कर्मचारियों ने केंद्र सरकार और वित्त मंत्रालय से मांगों पर जल्द निर्णय लेकर बैंकिंग क्षेत्र में लंबे समय से लंबित मुद्दों का समाधान करने की मांग की।

# तीन पिकअप से 21 मवेशी बरामद, 40.50 लाख का माल जब्त

कोतमा पुलिस की कार्रवाई, नाकाबंदी देखकर वाहन छोड़कर भागे चालक

हरिभूमि न्यूज कोतमा। पशु तस्करी और अवैध पशु परिवहन के खिलाफ कोतमा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन पिकअप वाहनों से 21 मवेशियों को बरामद किया है। पुलिस ने तीनों पिकअप वाहन और मवेशियों समेत कुल 40 लाख 50 हजार रुपए का माल-मशरूका जब्त किया है। कार्रवाई के दौरान वाहन चालक पुलिस की नाकाबंदी देखकर वाहन छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए मौके से फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, 10 सितंबर को थाना प्रभारी कोतमा को मुखबिंर से सूचना मिली थी कि तीन पिकअप वाहनों में मवेशियों को टूंस-टूंसकर और क्रूरतापूर्वक बांधकर कटने के लिए छत्तीसगढ़ से केवाई रपटा मार्ग होते हुए कोतमा की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना से पुलिस अधीक्षक अनूपपुर को अवगत कराया गया। उनके निर्देशन में थाना कोतमा पुलिस ने विशेष टीम गठित कर केवाई रपटा पुलिस के पास नाकाबंदी की। नाकाबंदी के दौरान तीन पिकअप वाहन तेज गति से आते दिखाई दिए। पुलिस ने वाहनों को रुकने का संकेत दिया तो चालक कुछ दूरी पर वाहन खड़े कर



अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। पुलिस टीम ने वाहनों की तलाशी ली तो प्रत्येक पिकअप में सात-सात मवेशी मिले। तीनों वाहनों से कुल 21 मवेशी बरामद किए गए, जिनमें 13 नग भैंस (पड़ा) और 8 नग भैंसी शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, मवेशियों को रस्सियों से बांधकर वाहनों में अत्यंत क्रूरतापूर्वक टूंस-टूंसकर भरा गया था। उनके लिए चारा-पानी की भी कोई व्यवस्था नहीं थी। पुलिस ने तीनों पिकअप वाहनों

को जब्त कर मवेशियों को सुरक्षित कराया। पुलिस ने तीन पिकअप वाहन जब्त किए हैं। जब्त तीन पिकअप वाहनों की अनुमानित कीमत 30 लाख रुपए तथा 21 मवेशियों की कीमत 10 लाख 50 हजार रुपए बताई गई है। कुल जन्ती 40 लाख 50 हजार रुपए की है। मामले में पशु क्रूरता निवारण अधिनियम तथा मध्यप्रदेश कृषि पशु परिरक्षण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया है। फरार वाहन चालकों और पशु तस्करों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू कर दी है। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कोतमा के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतमा रत्नांबर शुक्ल, लालजी श्रीवास्तव, प्रधान आरक्षक संजीव त्रिपाठी, प्रधान आरक्षक ऋषि पासी तथा चालक आरक्षक अनिल मरावी की सहायनीय भूमिका रही।

# पुरानी बस्ती रोड पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला, सड़क पर शराबखोरी से बड़ी चिंता

सुबह से रात तक सार्वजनिक मार्गों पर बैठकर शराब पीने का आरोप

पुलिस की निगरानी पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। नगर की पुरानी बस्ती रोड पर गुरुवार देर रात एक व्यक्ति पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला किए जाने की घटना ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है। घायल व्यक्ति सड़क पर लहलुहान हालत में पड़ा मिला, जिसे पुलिस वाहन से जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। घायल स्वयं को पुष्पराजगढ़ क्षेत्र के लीला पौनी का निवासी बता रहा है। पुलिस घटना की जांच में जुटी है। घटना के साथ ही पुरानी बस्ती रोड और आसपास के रहवासी क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों पर खुलेआम शराबखोरी का मामला भी चर्चा में है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सुबह, दोपहर, शाम और रात तक सड़क किनारे नए-नए युवक शराब की बोतलें लेकर बैठते हैं और बीच सड़क पर ही शराब पीते हैं। इससे राहगीरों और रहवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सार्वजनिक मार्ग पर शराब पीने वालों की मौजूदगी से आए दिन विवाद और असाामाजिक गतिविधियों की आशंका बनी रहती है। ऐसे में पुरानी बस्ती रोड पर हुई इस गंभीर घटना के बाद पुलिस की गश्त और सार्वजनिक स्थानों पर शराबखोरी के खिलाफ कार्रवाई को लेकर सवाल उठने लगे हैं। बताया गया कि देर रात पुरानी बस्ती रोड पर एक व्यक्ति घायल अवस्था में पड़ा था। उसके शरीर पर धारदार हथियार से हमले के निशान बताए गए हैं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल जिला चिकित्सालय भेजा गया। घायल की हालत और घटना की वास्तविक परिस्थितियों की जानकारी चिकित्सकीय जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकती है। घटना के पीछे आपसी विवाद, शराबखोरी अथवा कोई अन्य कारण था, यह अभी स्पष्ट



नहीं है। पुलिस घायल के बयान और आसपास के लोगों से पूछताछ के आधार पर मामले की जांच कर रही है। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जाने की भी जरूरत है, ताकि हमलावर की पहचान हो सके। स्थानीय रहवासियों ने पुलिस से पुरानी बस्ती रोड सहित ऐसे स्थानों पर नियमित गश्त बढ़ाने और सार्वजनिक रूप से शराब पीने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि सड़क पर खुलेआम शराबखोरी पर समय रहते अंकुश नहीं लगाया गया तो किसी बड़ी घटना से इनकार नहीं किया जा सकता।

# कोयले से लदे भारी वाहनों ने बिगाड़ी सड़क की हालत, कीचड़-डस्ट से लोग परेशान

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने कलेक्टर के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

10 दिन में समाधान नहीं तो चक्काजाम की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज कोतमा। कोयलांचल क्षेत्र में कोयले से लदे भारी वाहनों के लगातार आवागमन से सड़कों की हालत खराब होने और बारिश के दौरान गड्ढों में कीचड़ भरने से आम लोगों की परेशानी बढ़ गई है। सड़क पर कीचड़ और कोयले की डस्ट जमा होने से आवागमन मुश्किल हो गया है। इस मार्ग से प्रतिदिन हजारों लोगों के साथ बड़ी संख्या में भारी वाहनों का आवागमन होता है। बारिश के दौरान सड़क पर जगह-जगह गड्ढों में कीचड़ भर जाने से वाहन चालकों के साथ पैदल चलने वाले लोगों को भी परेशानी हो रही है। पार्टी ने बताया कि कीचड़ के कारण स्कूल जाने वाले बच्चों के कपड़े खराब हो रहे हैं। फिसलन के चलते दुर्घटना की



आशंका भी बनी रहती है। वहीं कोयले की डस्ट के कारण सड़क और आसपास के क्षेत्र में धूल की समस्या बनी हुई है। पार्टी का कहना है कि इस समस्या को लेकर कालरी प्रबंधन और प्रशासन को कई बार शिकायतों के माध्यम से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक स्थायी समाधान के लिए ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

जापन के माध्यम से सड़क की तत्काल सफाई, कीचड़ और कोयला डस्ट की समस्या का निराकरण तथा भारी वाहनों से सड़क पर फैलने वाली डस्ट और गंदगी को रोकने

के लिए आवश्यक व्यवस्था कराने की मांग की गई। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने चेतावनी दी कि यदि एसईसीएल जमुना-कोतमा क्षेत्र प्रबंधन द्वारा 10 दिनों के भीतर समस्या का समाधान नहीं किया गया तो धरना-प्रदर्शन और चक्काजाम किया जाएगा। पार्टी ने इसके लिए उत्पन्न होने वाली स्थिति की जिम्मेदारी एसईसीएल प्रबंधन एवं प्रशासन की होने की बात कही। जापन सौंपे जाने के बाद प्रशासन की ओर से बताया गया कि ज्ञापन में उठाई गई मांगों को लेकर जमुना-कोतमा एसईसीएल के महाप्रबंधक के साथ बैठक की गई है। बैठक में वार्ड क्रमांक 10 से पयारी होते हुए आमार्डॉड तक खराब सड़क के मरम्मत कार्य को सितंबर के भीतर शुरू कराने और दिसंबर तक पूरा करने की बात कही गई है। इसके अलावा सड़क पर जहां भी गड्ढे हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर भरने का निर्णय लिया गया है। बैठक में दारसारण तिराहे पर हाईमास्ट लाइट लगाने पर भी सहमति बनी। कोतमा नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 10 में जमुना कालरी की ओर जाने वाली सड़क पर जंगल के पास भी मरम्मत कार्य कराने की बात कही गई है। बैठक में क्षेत्र के स्थानीय युवाओं को उनकी योग्यता एवं कौशल के अनुसार रोजगार उपलब्ध कराने के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। इसके साथ ही कालरी प्रबंधन की ओर से स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने की बात कही गई है।

# गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज में जेबीएम ने किया 88 छात्रों का चयन

कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में विद्यार्थियों ने दिखाई

तकनीकी दक्षता, कॉलेज परिसर में हर्ष का माहौल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। स्थानीय गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज, अनूपपुर में देश की प्रतिष्ठित कंपनी जय भारत मारुति लिमिटेड द्वारा शुक्रवार को कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। संस्थान की प्लेसमेंट टीम की देखरेख एवं मार्गदर्शन में आयोजित यह ड्राइव सफल रहा, जिसमें कॉलेज के 88 विद्यार्थियों को दौरान कंपनी के अधिकारियों द्वारा विद्यार्थियों की तकनीकी योग्यता, कौशल एवं कार्यक्षमता का मूल्यांकन किया गया। विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन करते हुए चयन प्रक्रिया में सफलता हासिल की। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज के प्राचार्य सतेंद्र अहीरवाल तथा टीपीओ डॉ. सावंत वर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। प्लेसमेंट टीम में उपेन्द्र कुशवाहा, सूर्य प्रकाश नामदेव, प्रफुल्ल कुशवाहा, मृणाली यादव एवं यश हार्डिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही। एक साथ 88



विद्यार्थियों के चयन से कॉलेज परिसर में खुशी का माहौल रहा। इस अवसर पर प्राचार्य सतेंद्र अहीरवाल, डॉ. सावंत वर्मा एवं प्लेसमेंट टीम ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्राचार्य ने कहा कि विद्यार्थियों का इतनी बड़ी संख्या में चयन संस्थान

के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, तकनीकी दक्षता तथा कॉलेज की प्लेसमेंट टीम के निरंतर प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने चयनित विद्यार्थियों को रोजगार के नए अवसर मिलने पर शुभकामनाएं दीं।

